यह अच्छा लगता है और स्वर्ण पदक जीतना अपने आप में बेहद खुशी की बात है। मेरे कोच ने मेरे खेल को बेहतर बनाने में मेरी बहुत मदद की है। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं।" – जैसमीन

भारतीय मुक्केबाज, विश्व चैम्पियन में सफलता हासिल करने पर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी — **नीरज चोपड़ा**

नीरज चोपड़ा बुधवार को टोक्यो के नेशनल स्टेडियम में पुरुषों के भाला फेंक क्वालीफायर में भाग लेकर विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में अपने खिताब की रक्षा की शुरुआत करेंगे। फाइनल गुरुवार को होगा। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में नीरज चोपड़ा की भाला फेंक स्पर्धा, क्वालीफायर और फाइनल दोनों, भारत में लाइव स्ट्रीमिंग और लाइव टेलीकास्ट पर देखने के लिए उपलब्ध होंगे। टोक्यो 25 में नीरज चोपड़ा का पाकिस्तानी प्रतिद्वंद्वी अरशद नदीम से मुकाबला मुख्य आकर्षणों में से एक होगा।

क्या आप जानते हैं ?... टीम इंडिया एशिया कप की सबसे सफल टीम है। भारतीय टीम ने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के खिताब पर आठ बार कब्जा जमाया है।

साउथ पवेलियन को लेकर एमएनआईटी सिविल इंजीनियरिंग विभाग का सनसनीखेज खुलासा

भविष्य में अगर साउथ पवेलियन में कभी कोई हादसा हुआ तो उसके लिए राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना जिम्मेदार : प्रो. भारती

सिर्फ एक 'स्ट्रक्चर स्टेबिलिटी सर्टिफिकेट' के भरोसे 700 + लोगों की जिन्दगी दाव पर लगा दी राजस्थान रॉयल्स ने

स्पोर्ट्स काउंसिल से एमएनआईटी का कोई लेना-देना नहीं है

एमएनआईटी द्वारा सिर्फ सात मैचों के लिए अलग-अलग स्ट्रक्चर स्टेबिलिटी सर्टिफिकेट दिया गया था, एनओसी नहीं दी

जयपुर, 16 सितम्बर। एमएनआईटी सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर एस डी भारती ने साउथ पवेलियन के निर्माण ओर सुरक्षा मानकों को लेकर खुलासा करते हुए बताया कि आईपीएल मैचों में जयपुर के एसएमएस स्टेडियम के साउथ पवेलियन में सीटिंग बढ़ाने को लेकर निर्माण कार्य किया था और एमएनआईटी विभाग में राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन की ओर से राजीव खन्ना ने फीस जमा करा कर निर्माण कार्य की सुरक्षा मानकों को लेकर एमएनआईटी सिविल इंजीनियरिंग विभाग को कहा था। उस वक्त हमारी टीम ने साउथ पवेलियन का दौरा किया लेकिन उस निर्माण को देखकर मैने राजीव खन्ना को कहा था कि एनओसी देना तो दूर की बात है, मेरे ऑफिस में भी कदम मत रखना। इतना घटिया निर्माण मैने नहीं देखा था। साउथ पवेलियन के निर्माण में कई तरीके की खामियां नज़र आ रही थीं। लेकिन राजीव खन्ना ने पहले भी एमएनआईटी की सेवा ली हुई थी और क्रिकेट प्रेमियों की खातिर जयपुर में होने वाले आईपीएल मैचों को लेकर मैने कुछ शर्तें रखी कि साउथ पवेलियन में सीट बाय सीट दर्शक ही बैठ सकेंगे। उनके अलावा कोई खड़ा या बैठ कर मैच नहीं देख सकता है, साथ ही साउथ पवेलियन कितना वजन सहन कर सकता है उससे ज्यादा दर्शक नहीं आ सकते हैं। दूसरी शर्त यह थी कि एमएनआईटी द्वारा सिर्फ़ हर मैच का अलग अलग इवेंट स्ट्रक्चर स्टेबिलिटी सर्टिफिकेट दिया जाएगा, एनओसी नहीं दी जाएगी। एनओसी का नहीं देने का कारण बताते हुए प्रोफेसर एस डी भारती ने कहा कि एमएनआईटी द्वारा राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना को अगर एनओसी सर्टिफिकेट दे दिया जाता ओर राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना द्वारा साउथ पवेलियन पर बताए गए वजन से ज्यादा दर्शक बिठा दिए जाते, उसके बाद कोई हादसा हो जाता तो उस हादसे की सारी जिम्मेदारी एमएनआईटी सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सिर पर फोड़ दी जाती। सरकार और हादसे में

घायल होने वाले खिलाड़ियों, दर्शकों के परिवार को जवाब तो एमएनआईटी को देना पड़ता। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना तो एमएनआईटी द्वारा एनओसी सर्टिफिकेट सरकार और मीडिया को दिखाते कि एमएनआईटी ने आईपीएल मैचों को लेकर निर्माण कार्यों को पूरी तरह से वैध बताया था तभी तो हमने मैचों का आयोजन किया था। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना ने साउथ पवेलियन में सीटिंग बढ़ाने को लेकर निर्माण कार्य किया वो घटिया था ही, साथ ही लोहे का स्ट्रक्चर बनाया था वो उससे भी अधिक खराब स्थिति में था। जब हमने लोहे के स्ट्रक्चर को देखा और जांच करी तो हमने पाया कि लोहे को आपस जोड़ने वाली वेल्डिंग भी जगह– जगह से टूटी ओर सही जुड़ी हुई नहीं थी। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना ने वेल्डिंग करने वाले कारीगर भी नौसीखिए लगा रखे थे। आखिर में मैने ही राजीव खन्ना के कहने पर दूसरा वेल्डर बुलवाकर वेल्डिंग सही तरीके से करवाई। साथ ही लोहे की प्लेट को मोड़कर वेल्डिंग किए गए जगह पर अलग से लगवाया ताकि लोहे के स्ट्रक्चर में मजबूती आए। भूकंप को मापने वाला मीटर लगाकर छत पर टेस्ट किया गया था जिससे यह पता चल सके कि मैच के दौरान अगर कोई भूकंप आया तो उससे साउथ पवेलियन में बैठे हुए दर्शकों के साथ साथ कैमरामैन, ऑफिस के कर्मचारी, कोच, खिलाड़ियों को किसी भी प्रकार का नुकसान या हादसा नहीं हो। यह एक अस्थाई निर्माण कार्य था जो कि इस समय भी तक साउथ पवेलियन से हटाया नहीं गया है, ताज्जुब कि बात है। ये कभी भी किसी होने वाले हादसे को न्योता दे सकता है। बरसात में पानी छत पर भरना और फोर्सिलिंग गिरना तो तय था क्योंकि लोहे के स्ट्रक्चर पर कोई टीन शेड्स या छत नहीं थी, साथ ही छत पर पानी निकासी का कोई भी इंतेज़ाम नहीं था। एमएनआईटी द्वारा हर मैच से पहले सुरक्षा मानकों को लेकर हर तरह से जांच करने के बाद ही हर मैच का स्ट्रक्चर स्टेबिलिटी सर्टिफिकेट दिया जाता था। क्रिकेट प्रेमी आईपीएल मैचों का आनंद लेने जाते थे लेकिन हमारी टीम हर मैच की सुरक्षा प्रणाली को पूरी तरह बताए हुए शर्तों को देखते थे। हमने तो कैमरामैन के साथ दो तीन लोगों से ज्यादा एक आदमी भी नहीं जाने ओर खड़ा रहने नहीं दिया था।

आईपीएल मैच खत्म हमारा काम खत्म

जयपुर, 16 सितम्बर। सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा हर मैच को लेकर निर्माण कार्यों को पूरी तरह से जांच करने के बाद ही सर्टिफिकेट दिया गया था लेकिन आईपीएल मैच खत्म हमारा काम खत्म। सात मैचों के बाद साउथ पवेलियन में क्या होता है क्या नहीं हमारा कोई लेना देना नहीं? साउथ पवेलियन कल का गिरता आज गिरे। इससे एमएनआईटी का कोई लेना देना नहीं है।

सहारा जिनसे था, वही अब खामोश हैं, कहते हैं- तेरा यहां कोई नहीं...

जयपुर, 16 सितम्बर। सहारा जिनसे था, वही अब खामोश हैं, कहते हैं– तेरा यहां कोई नहीं...। राजस्थान में कई कहावतें ऐसी बनी हुई हैं जो कि समय समय पर इंसान पर फिट बैठती हुई नज़र आती है।इस समय ये कहावत राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना पर फिट बैठती है। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना ने साउथ पवेलियन में सीटिंग बढ़ाने को लेकर निर्माण कार्य करवाया था उसमें कई खामियां साफतौर पर दिखी जिसकी लीपापोती राजस्थान रॉयल्स की ओर से करवाई जा रही

है। इन सबके बीच एमएनआईटी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर एस डी भारती एवं स्पोर्ट्स काउंसिल के चेयरमैन नीरज के पवन द्वारा अपने आप को बचाकर साफगोई से बच कर निकलने वाली गली ढूंढ़कर सारा घटनाक्रम का ठीकरा राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना पर फोड़ दिया है। अब अगर भविष्य में कोई दुर्घटना या दर्शकों की जानमाल को नुकसान पहुंचा तो इसकी कीमत राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना को चुकानी पड़ सकती है।

नीरज पवन ने पहले ही कहा था कि निर्माण करने वाले होंगे जिम्मेदार

नीरज कुमार पवन ने पहले ही कहा था कि राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन द्वारा सवाई मानसिंह स्टेडियम में जो निर्माण कार्य किया जा रहा था। वहां सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही थी, वहां काम कर रहे लोगों ने सुरक्षा उपकरण तक नहीं पहन रखे थे। ऐसे में अगर किसी भी तरह का हादसा या दुर्घटना होती है तो निर्माण कार्य करने वाले लोग ही उसके लिए जिम्मेदार होंगे। वहां काम कर रहे लोगों को सुरक्षा मानकों की पालना के निर्देश दिए थे।

// यह है साउथ पवेलियन का मामला //

इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले के दौरान राजस्थान रॉयल्स ने सवाई मानसिंह स्टेडियम के रिनोवेशन के लिए 9 करोड़ 85 लाख खर्च किए थे। इसमें लगभग 2 से 3 करोड़ रुपए का खर्चा साउथ ब्लॉक को फिर से तैयार करने के लिए किया गया था। 11 अप्रैल को ये पूरा हुआ था। रिनोवेशन के लिए जो राशि राजस्थान रॉयल्स ने खर्च की थी। खेल परिषद द्वारा उसका भुगतान राजस्थान रॉयल्स को किया जा चुका है। लेकिन स्टेडियम में साउथ ब्लॉक पहली बारिश ही नहीं झेल पाया है। जिससे सरकार के करोड़ों रुपए बर्बाद हो गए है। ग्राउंड फ्लोर पर बने हॉल और दोनों ड्रेसिंग रूम में डक्टिंग के माध्यम से पानी फर्श पर भर रहा है। फर्स्ट फ्लोर पर बने हॉल की फॉल सीलिंग गिर चुकी है। उस पर लगी सभी लाइट्स लटक

गई है। वुडन फ्लोरिंग भी पूरी तरह से खराब हो चुकी है। शेन वॉर्न गैलरी पर कैमरा पर्सन के लिए बने लोहे के स्ट्रक्चर पर पानी निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है। शेन वॉर्न गैलरी का ड्रेनेज सही नहीं होने के कारण पानी का निकास व्यवस्थित नहीं है।

आरसीए द्वारा आयोजित अंडर-23 टूर्नामेंट में दौसा की टीम ने प्रतापगढ़ को हराया

दौसा, 16 सितम्बर। जिला क्रिकेट संघ दौसा के सचिव बृजकिशोर उपाध्याय ने बताया कि आरसीए द्वारा आयोजित अंडर 23 टूर्नामेंट में दौसा का दूसरा मुकाबला प्रतापगढ़ से था जिसमें दौसा की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 269 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रतापगढ़ की पूरी टीम 109 रनों पर 29.1 ओवर में ढेर हो गई। दौसा की ओर से देवकृत शर्मा ने शानदार शतकीय पारी खेलते हुए 147 बॉल पर 147 रन बनाए इसके अलावा लीलाधर मीणा ने 49 बॉल पर 42 रन बनाए दौसा की ओर से गेंदबाजी में विशाल सिंह राठौड़ ने 37 रन देकर चार विकेट, ध्रुव कुमार सेठी ने 24 रन देकर दो विकेट, प्रदीप कुमार सैनी ने 15 रन देकर 2 विकेट लिए। दौसा की टीम जीतने पर डीसीए के पदाधिकारियों रतन चंद एडवोकेट, शिवचरण शर्मा एडवोकेट, हीरा लाल सैन आदि ने बधाई दी। सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि दौसा की टीम का पहला मैच झुंझुनू से था जिसमें दौसा को हार मिली थी।

समीर गोरा के ऑलराउंड प्रदर्शन से जीती एनसीसी क्रिकेट अकादमी

जयपुर, 16 सितम्बर। अंडर–13 पिंकसिटी कप में एनसीसी क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 37 ओवर में 169 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। समीर गोरा ने 73 और ओम चौरसिया ने 50 रनों का योगदान दिया। केबी रॉयल्स क्रिकेट अकादमी की ओर से मयंक और वंश ने तीन–तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी केबी रॉयल्स क्रिकेट अकादमी 28 ओवर में 93 रन पर ऑल आउट हो गई। एनसीसी क्रिकेट अकादमी की ओर से रुद्र ने 4 और समीर गोरा ने तीन विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच समीर गोरा को चुना गया।

देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी जीती

अंडर–13 पिंकसिटी कप में देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 162 रन 8 विकेट के नुकसान पर बनाएं! कौशलेंद्र ने 31, दिवित ने 25 और समर्थ ने 21 रनों का योगदान दिया। अरावली क्रिकेट अकादमी की ओर से लखन, रामनिवास और हर्षित ने दो–दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अरावली क्रिकेट अकादमी 39.5 ओवर में 155 रन पर ऑल आउट हो गई। सूर्यांश ने 36, रामनिवास ने 31 और प्रखर गुप्ता ने 24 रनों का योगदान दिया। देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी की ओर से जयदीप यादव, यशवर्धन सक्सेना और अभी राजपूत ने दो– दो विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच कौशलेंद्र सिंह को चुना गया।

राज्य स्तरीय अंडर-23 क्रिकेट प्रति. हेतु करौली जिला टीम का चयन

जयपुर, 16 सितम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में आयोजित राज्य स्तरीय अंडर 23 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली करौली जिला क्रिकेट टीम का चयन राजस्थान सीनियर चयन कमेटी ने आज आरसीए अकादमी पर आयोजित ओपन चयन ट्रायल में खिलाडियों के प्रदर्शन के आधार पर किया। चयनित करौली जिला टीम :– हिमेश सिंह गुर्जर, गर्वित सरसवाल, अमित कुमार भारद्वाज, मो. गाज़ी खान, राजवीर मीना, आशू शर्मा, सचिन गुर्जर, नितिन सिंघल, विकास कुमार, अमन, सौरव सिंह, अंकित जाट, सुमित कुमावत, मो. जिशान, सिद्दीक खान, विक्की कोहली, पुलकित गुप्ता, मोहित नागर।

पीकेएल-12 : बंगाल वारियर्स ने यूपी योद्धाज को हराया

जयपुर, 16 सितंबर। बंगाल वारियर्स ने अपने हरफनमौला खेल की बदौलत सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में मंगलवार को प्रो खेले गए कबड्डी लीग के 12वें सीजन के 35वें मुकाबले में यूपी योद्धाज को 41–37 से हरा दिया। यह लगातार चार हार के बाद बंगाल की पहली जीत है जबकि यूपी को दो जीत के बाद लगातार चौथी हार मिली है। बंगाल को जीत की पटरी पर लाने का श्रेय देवांक (17) को जाता है। मनप्रीत (5) ने उनका अच्छा साथ दिया और डिफेंस में आशीष ने हाई–5 के साथ यूपी की कमर तोड़ दी। यूपी के लिए गगन गौड़ा ने सात और गुमान सिंह ने पांच अंक लिए। डिफेंस में हितेश और आशू ने चार–चार अंक लेकर शुरुआत में देवांक पर लगाम लगाया लेकिन बाद में वे आजाद हो गए। देवांक के खिलाफ सावधानी बरतते हुए यूपी की टीम ने चार मिनट की समाप्ति तक 3–2 की लीड ले रखी । इस बीच गुमान सेल्फ आउट हुए और इस तरह स्कोर 3–3 हो गया।

अंतर्राष्ट्रीय जिम्नास्टिक्स प्रतियोगिता में राजस्थान के शुभम का चयन

जयपुर, 16 सितम्बर। भारतीय जिम्नास्टिक महासंघ द्वारा काइरो मिश्र में दिनांक 18–21 सितम्बर 2025 तक आयोजित होने वाली अंतर्राष्ट्रीय जिम्नास्टिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने वाले भारतीय दल में राजस्थान के शुभम कुमार का चयन किया गया है। सचिव, राजस्थान राज्य जिम्नास्टिक संघ, परमेश्वर प्रजापत ने बताया इस प्रतियोगिता में भारत से सात सदस्यीय दल भाग ले रहा है, जिसमें श्री शुभम कुमार को अवसर मिला है। शुभम कुमार इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए जोधपुर से रवाना हो कर मुंबई से भारतीय दल के साथ मिश्र के लिए प्रस्थान करेंगे। शुभम कुमार को जोधपुर रेलवे स्टेशन से शुभ कामनाओं के साथ विदाई दी गयी, इस अवसर पर शुभम कुमार के परिजनों सहित अंतर्राष्ट्रीय निर्णायक, विशाल मिश्रा, जिला जिम्नास्टिक्स संघ जोधपुर के उपाध्यक्ष अरुण शर्मा, परमेश्वर प्रजापत ने भारतीय जिम्नास्टिक महासंघ के पूर्व सचिव कान सिंह राठौड़, प्रशिक्षक भवानी सिंह व राजस्थान के जिम्नास्टिक परिवार की ओर से बधाई दी गयी एवं इस अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मैडल प्राप्त कर राजस्थान को गौरवान्वित करने की आशा जताई गई।

अपोलो टायर्स बना भारतीय क्रिकेट टीम का नया प्रायोजक, 579 करोड़ में हासिल किये अधिकार

मुंबई, 16 सितम्बर। अपोलो टायर्स ने 579 करोड़ रुपये की शानदार बोली लगाकर त्रिकोणीय मुकाबले में जीत हासिल करते हुए भारतीय टीम के प्रायोजन अधिकार हासिल कर लिए हैं। यह प्रायोजन सौदा तीन साल का है और इसमें 121 द्विपक्षीय मैच और 21 आईसीसी मैच शामिल हैं।

100 से ज्यादा देशों में मौजूदगी वाली गुड़गांव स्थित इस टायर कंपनी ने कैनवा और जेके सीमेंट्स की चुनौतियों को मात दी, जिन्होंने क्रमश: 544 करोड़ रुपये और 477 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी। यह सौदा प्रति मैच लगभग 4.77 करोड़ रुपये का बैठता है, हालांकि द्विपक्षीय और आईसीसी मैचों के बीच मूल्य अंतर को देखते हुए इसमें थोड़ा अंतर हो सकता है। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा निर्धारित आधार मूल्य द्विपक्षीय मैचों के लिए 3.5 करोड़ रुपये और विश्व कप मैचों के लिए 1.5 करोड़ रुपये था। सभी रियल मनी गेमिंग कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने वाले सरकारी आदेश द्वारा ड्रीम11 सौदे को रद्द करने के बाद बीसीसीआई को एक नए प्रायोजक के लिए निविदाएं जारी करनी पड़ीं। एशिया कप के करीब आने वाले सरकारी आदेश के साथ, बीसीसीआई को संयुक्त अरब अमीरात में चल रही महाद्वीपीय चैंपियनशिप में भारतीय टीम के लिए जर्सी प्रायोजक के बिना जाना पड़ा।

नए प्रायोजकों को पहला अंतरराष्ट्रीय लाभ 2 अक्टूबर से शुरू होने वाली वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की घरेलू श्रृंखला में मिलेगा, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया में एक सफेद गेंद की श्रृंखला होगी। हालांकि, इससे पहले, नए प्रायोजक का लोगो भारत ए और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की 50 ओवरों की श्रृंखला के दौरान प्रदर्शित किया जाएगा। समझा जाता है कि बीसीसीआई ने चयनकर्ताओं को भारत ए वनडे टीम का चयन जल्दी करने के लिए कहा है ताकि 30 सितंबर, 2 और 5 अक्टूबर को कानपुर में होने वाले मैचों के लिए जर्सी तैयार की जा सकें। तीनों मैचों के लिए भारत–ए टीम की घोषणा 14 सितंबर को की गई थी।

मंगलवार को मुंबई स्थित बीसीसीआई मुख्यालय में बोली प्रक्रिया में भाग लेने वाली कंपनियों के अलावा, उत्तर प्रदेश स्थित शंक एयर और दुबई स्थित ओमनीयत ने भी आईटीटी दस्तावेज खरीदकर रुचि दिखाई थी। हालांकि, वे बोली लगाने के लिए उपस्थित नहीं हुए। पता चला है कि मुंबई स्थित डब्ल्यूपीपी मीडिया ने अपोलो के मूल्यांकन और सफल बोली की देखरेख की थी। बोली लगाने से पहले, उद्योग बीसीसीआई की निविदा पर प्रतिक्रिया को लेकर संशय में था।

जयपुर और ऑल स्टार पोलो टीमें जीती

जयपुर, 16 सितम्बर। कैवेलरी पोलो ग्राउंड परखेले गए पोलोमैच ऑल स्टार पोलो टीम ओर मेफेयर पोलो टीम के बीच खेला गया जिसमें ऑल स्टार पोलो टीम ने मेफेयर पोलो टीम को 7 के मुकाबले 8 गोल से हराया। ऑल स्टार पोलो टीम की ओर से रघुराम हरि ने 1, मतिहास ने 2 ओर ध्रुवपाल गोदारा ने अपनी टीम के लिए 5 गोल किए। वहीं मेफेयर पोलो टीम की ओर से प्रणव कपूर ने 1, सवीर मेहराज ने 2ओर शमशीर अली ने 4 गोल किए। दूसरा मैच रामबाग पोलो ग्राउंड पर अरावली पोलो टीम ओर जयपुर टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें जयपुर टीम ने अरावली पोलो टीम को 4के मुकाबले 7 गोल से हराया। अरावली पोलो टीम की ओर से जुआन मार्टिन ने 1, हुर्र अली ने 2 ओर कुलदीप सिंह ने 1 गोल किया। वहीं जयपुर टीम की ओर से महाराज पद्मनाभ सिंह ओर अंगद कलान ने 2– 2 गोल, लांस वाटसन ने 3 गोल कर अपनी टीम को जीताया।

MUNICIPAL BOARD, NATHDWARA DIST.- RAJSAMAND

S.No./M.B.Nath/NIT/Const./2025/ 11603 Date : 12-09-2025

Notice Inviting Bid

Bids for different works Nit No. 33/2025-26 of Municipal Board Nathdwara are invited from interested bidders up to date 23-09-2025 on 18:00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state govt.

UBN No. – 1.- DLB2526WSOB18130

Commissioner Municipal Board Nathdwara

Raj.Samwad/C/25/10122

कार्यालय नगर परिषद्, बाड़मेर (राज.)

(सिटी कोतवाली के पास स्टेशन रोड गांधी चोक बाड़मेर, पिनकोड़–344001)
टेलीफोन :– 02982220098 ई–मेल mbbarmerraj@gmail.com

क्रमांक प. ( ) विद्युत /2025/4977 दिनांक 11.09.2025

ई–निविदा सूचना

नगर परिषद बाड़मेर में विभिन्न विद्युत कार्यो हेतु निविदा आमंत्रित की गई है। निविदा सम्बन्धी जानकारी व अन्य शर्ते परिषद कार्यालय एवं पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in पर UBN नं DLB2526WSOB18084 जरीये देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/10175 आयुक्त, नगर परिषद, बाड़मेर

OFFICE MUNICIPAL COUNCIL CHOMU (JAIPUR)

Tel-01423-220036 e-mail:chomu.jaipur@yahoo.com

Sr. No. : NPC/2025/1805 Date : 15.09.2025

Notice Inviting Bid

Bids for "Driver/Operator Supply For Garbage Collection Work In Nagar Parisad Area Chomu" are invited interested bidders upto 06.00 PM on 15.09.2025 Dated. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state. Bid Value are 60 Lacs Annual.

NIB CODE : DLB2526A5933 & UBN NO. : DLB2526SLOB18288

Raj.Samwad/C/25/10190 COMMISSIONER

कार्यालय नगर परिषद्, जैसलमेर (राज.) 345001

क्रमांक/विकास/2025–26/4125 दिनांक :– 12.09.2025

निविदा सूचना संख्या 08/2025–26

NIB Code-DLB2526A5850

नगर परिषद् जैसलमेर की ओर से नगर परिषद् जैसलमेर में उपयुक्त श्रेणी व अन्य विभागों में "ए" व 'एए' श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से उपरोक्त कार्य हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि वेबसाईट http://eproc.rajasthan.in व http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। उक्त कार्यो के यू.बी.एन. नं. DLB2526WSOB17934, 17937 है।

आयुक्त नगर परिषद् जैसलमेर

राज.संवाद/सी/25/10179

कार्यालय नगरपरिषद झालावाड़ (राज0)

क्रमांक: न0परि0झा0/राजस्व/2025/3583 दिनांक: 12.09.2025

–: ई–निविदा सूचना :–

NIB No. – DLB2526A5925
UBN No. DLB2526SLOB18275

नगरपरिषद झालावाड़ द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 में संबंधित व्यवसायिको, आपूर्तिकर्ताओ एवं पंजीकृत ठेकेदारो से नगरीय क्षैत्र मे तहबजारी वसूली का कार्य हेतु ऑनलाईन निविदाये आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा फार्म ऑन लाईन दिनांक 17.09.2025 से 26.09.2025 को दोपहर 2.00 बजे तक अपलोड किये जा सकेंगे। ऑनलाईन निविदायें डीडी जमा कराने की तिथि 26.09.2025 को सांय 4.00 बजे तक रहेगी। तकनीकी बिड खोलने की दिनांक 29.09.2025 प्रातः 11.00 बजे खोली जावेगी। अन्य शर्ते कार्यालय में कार्यालय समय में देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/10197 सभापति नगरपरिषद झालावाड आयुक्त नगरपरिषद झालावाड

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज) भगत की कोठी, जोधपुर

पता : बासनी प्रथम फेस, भगत की कोठी, जोधपुर - 342005 (दूरभाष नम्बर - 0291-2721748)
Email ID : kums.bhagatkikothi@rajasthan.gov.in / Website : www.rsamb.rajasthan.gov.in

क्रमांक :- प( ) BKT/आवंटन/2025-26/राजकाज 17789104 दिनांक :- 15/09/2025

आवंटन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय की विज्ञप्ति क्रमांक 377 दिनांक 06.07.2023 द्वारा मुख्य मण्डी प्रांगण भगत की कोठी, जोधपुर के अधिसूचित कृषि जिन्स व्यवसाय हेतु चिन्हित एवं रिक्त भूखण्ड तथा रिक्त दुकानो एवं गोदामों का आवंटन नीति, 2005 के बिन्दु संख्या– 7(1)(i)(ii)(iii), 7(7), 7(अ), 7(8), 30, 35 एवं बिन्दु संख्या– 16(6), 18(1)(2), 38 के यथा समय संशोधनों के अन्तर्गत द्वितीय चरण में खुली लोटरी प्रक्रिया से आवंटन किये जाने हेतु आवंटन समिति की बैठक दिनांक 26.09.2025 को दिन के 02.00 बजे आयोजित की गई है, भूखण्डो एवं दुकानो/गोदामो के आवंटन की कार्यवाही जन समूह के बीच की जायेगी, इस कार्यक्रम में पारदर्शिता के लिए आप सभी व्यापारीगण एवं कृषक वर्ग के आवेदको एवं सर्व साधारण की उपस्थिति प्रार्थनीय है, सो सभी सूचित हो कर उपस्थित होवें।

राज.संवाद/सी/25/10164 सचिव

कार्यालय नगर पालिका छबडा जिला बारां (राज0)

E Mail ID-npchhabra5@gmail.com Phone No-07452-222025

क्रमांक ::– न0पा0छ0/2025/4282 दिनांक ::– 12.09.2025

–:: निविदा सूचना ::–

NIB CODE-DLB2526A5807

नगरपालिका छबडा द्वारा निम्न कार्य हेतू अनुमानित लागत 48.00 लाख रूपये से उपयुक्त श्रेणी में स्वायत शासन विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदको एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनो/डाक दूर संचार विभाग रेल्वे इत्यादी में पंजिकृत संवेदको जो कि राजस्थान सरकार के सक्षम श्रेणी में पंजीकृत है से ऑनलाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है संवेदक ई–निविदा को पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in पर देख सकते है एवं पोर्टल www.eprocument.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है।

क्र.सं.	UBN NO
01	DLB2526WSOB17760

Sppp पोर्टल पर ऑनलाईन निविदा फार्म मिलने की दिनांक	12.09.2025 को साय 4.00 बजे से
ईप्रोक्योरमेंट पोर्टल पर निविदा प्रस्तुत करने की प्रारम्भ तिथि	12.09.2025 सांय 5 बजे से
ईप्रोक्योरमेंट पोर्टल पर निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	24.09.2025 दोपहर 2 बजे तक
कार्यालय में दस्तावेज जमा कराने की तिथि	24.09.2025. सांय 4 बजे तक
ईप्रोक्योरमेंट पोर्टल पर प्राप्त तकनीकी बिड खोलने की तिथि	24.09.2025 सांय 5 बजे बाद

राज.संवाद/सी/25/10101 अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका छबडा

कार्यालय नगर परिषद,दौसा (राजस्थान)

क्रमांक : न.प.दौ./2025–26/3366 दिनांक 12.09.2025

ई–निविदा सूचना संख्या/2025–26

नगर परिषद दौसा द्वारा निम्न कार्य कराये जाने हेतु सेवाओं (सफाई) में इच्छुक एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन दर संविदा हेतु निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट http://www.sppp.rajasthan.nic.in/ से Download/Upload की जा सकती है :–

निविदा के कुल कार्यो की संख्या	निविदा प्रकाशन तिथि	निविदा Download/ Upload करने की अंतिम दिनांक एवं समय	प्रोसेसिंग शुल्क, निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि भौतिक रूप में जमा कराने की दिनांक व समय	ऑनलाईन निविदा की बिड खोलने की दिनांक व समय	UBN No.
05	12.09.2025	22.09.2025 को 6:00 पीएम तक	23.09.2025 11:00 एएम तक	23.09.2025 दोपहर 2:00 बजे पश्चात्।	DLB2526SLRC17861, 17864, 17867, 17868, 17872

राज.संवाद/सी/25/10188 आयुक्त नगर परिषद, दौसा

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति ब्यावर

क्रमांक :- 984 - 90 दिनांक :- 15/09/2025

निविदा सूचना

कृषि उपज मण्डी समिति ब्यावर के मुख्य मण्डी प्रांगण एवं फल–सब्जी मण्डी यार्ड तथा कार्यालय के दैनिक राजकीय कार्यो तथा मण्डी सुविधाओ हेतु वितीय वर्ष 2025–26 अथवा 1 वर्ष के लिये ठेका पद्वति पर कार्य करवाये जाने के लिये निम्नांकित व्यवस्थाओ एवं कार्यो के लिये पंजीकृत संवेदको/ठेकेदारो से मोहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र. सं.	नाम ठेका /निविदा	अनुमानित व्यय (लाख रूपये में)	निविदा प्रपत्र शुल्क	धरोहर राशि	UBN NO.
01	सफाई व्यवस्था ठेका(फल–सब्जी व मुख्य मंडी अनाज यार्ड हेतु)	10.00	590/–	20,000/–	DAM2526WSRC000800
02	कम्प्यूटर हाईरिंग विद ऑपरेटर (अन्य संविदा व्यय)	9.00	590/–	18,000/–	DAM2526SSRC000801
03	प्रकाश व्यवस्था रखरखाव ठेका	1.00	590/–	2,000/–	DAM2526WSRC000802
04	वाहन सुविधा (खुली बोली)	0.50	....	1000/–	
05	जल व्यवस्था (खुली बोली)	0.20	....	400/–	

निविदा फार्म, निविदा प्रकाशित होने की तिथी से दिनांक 23.09.2025 तक को सांय 6.00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है एवं धरोहर राशि मय आवेदन/निविदा फार्म दिनांक 24.09.2025 को दोपहर 12.00बजे तक जमा करवायी जा सकेगी। निर्धारित समय तक निविदा/धरोहर राशि प्राप्त नहीं होने पर निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदा दिनांक 24.09.2025 को दोपहर 1.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेगी। निविदा का प्रकाशन www.sppp.rajasthan.gov.in पर भी प्रकाशित की जा चुकी हैं। जिसका NIB CODE DAM2526A04838 है। अत : पोर्टल पर भी निविदा सम्बन्धित जानकारी यथा फार्म व शर्ते उपलब्ध हैं। जिन्हें डाउनलोड किया जा सकता हैं तथा डाउनलोड किये गये निविदा फार्म का शुल्क व सम्बन्धित निविदा की धरोहर राशि मण्डी कार्यालय में जमा करवाई जानी आवश्यक होगी। निविदा की कम संख्या 04 व 5 पर अंकित विवरणानुसार खुली निलामी द्वारा बोली दिनांक 24.09.2025 को शाम 05 बजे से लगाई जायेगी। इच्छुक बोलीदाता दिनांक 24.09.2025 दोपहर 12.00 बजे तक मय धरोहर राशि के साथ आवेदन प्रस्तुत करेगें। निर्धारित समय पश्चात आवेदन प्राप्त होने पर आवेदन पर विचार नही किया जायेगा। निविदा की शर्ते फार्म के साथ उपलब्ध होगी। निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत/रद्द करने का अधिकार लोक उपापन समिति का होगा।

राज.संवाद/सी/25/10168 प्रशासक सचिव